सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 15 DECEMBER TO 21 DECEMBER 2023 • VOLUME 21 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

मैले और गंदे कपड़े से यदि हमें शर्म आती है,
तो गंदे और मैले विचारो से भी हमें शर्माना चाहिए।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

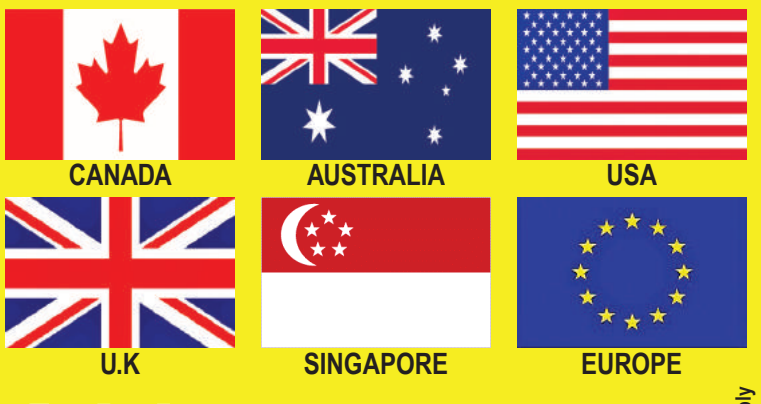

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

संसद की सुरक्षा चूक : चारों आरोपियों को सात दिन के पुलिस रिमांड में भेजा

नई दिल्ली. दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल को संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों की सात दिन की रिमांड मिल गई। आरोपियों को आज पटियाला हाउस कोर्ट ले जाया गया जहां अभियोजन पक्ष ने 15 दिन की रिमांड की मांग की लेकिन कोर्ट ने आरोपियों को सात दिन की रिमांड पर भेज दिया। पुलिस ने अदालत में यह भी दावा किया कि आरोपियों ने लोकसभा के अंदर गैस कनस्तरों की तस्करी के लिए जूते लखनऊ से खरीदे थे जिनमें उन्होंने गुहाएं बनाई थीं।

दिल्ली पुलिस के वकील अतुल श्रीवास्तव हमने 15 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड का अनुरोध किया था, जिस पर अदालत ने विचार किया और अदालत ने सात दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड दी। जिन लोगों को हिरासत में भेजा गया है वे हैं - मनोरंजन डी, सागर शर्मा, नीलम आज़ाद और अनमोल शिंदे। पुलिस ने आज कहा कि उनकी टीमें जांच के लिए मुंबई, लखनऊ और मैसूरु जैसे शहरों का दौरा करेंगी ताकि आरोपियों की वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस धन के स्रोत की तलाश करेगी और अतिरिक्त व्यक्तियों की संलिप्तता का संदेह करते हुए सुरक्षा उल्लंघन के पीछे की जटिल साजिश का पर्दाफाश करेगी।

संसद सुरक्षा के उप निदेशक द्वारा दर्ज की गई शिकायत के जवाब में, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 452, 153 और 16-18 यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने पहले समाचार एजेंसी को बताया था कि चारों आरोपियों ने घटना की जिम्मेदारी ली है और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की जांच टीम को रटे-रटाए जवाब दे रहे हैं। गुरूवार को हुई सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने यह भी पूछा कि क्या आरोपी मनोरंजन की मां या नीलम की भाभी शबनमवास को गिरफ्तारी के बारे में सूचित किया गया था।

विपक्ष के 14 सांसद निलंबित, हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

संसद के शीतकालीन सत्र में गुरूवार को जबरदस्त तरीके से हंगामा हुआ। दोनों सदनों में कुछ खास कामकाज नहीं हो सका। दोनों ही सदनों में विपक्ष लगातार नारेबाजी करता रहा। पूरा का पूरा मामला बुधवार को संसद की सुरक्षा में हुई चूक का है। विपक्षी सांसद लगातार पूरे मामले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे। इसके अलावा वह भाजपा सांसद के निष्कासन की भी मांग पर अड़े हुए थे जिनके द्वारा मुहैया कराए गए पास के जरिए घुसपैठ संसद में घुसे थे। संसद के दोनों सदनों में हंगामा इतना रहा की लोकसभा से 13 सांसदों को निलंबित किया गया जबकि राज्यसभा से टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन को पूरे शीतकालीन सत्र से निलंबित हो गए।

दिल्ली आबकारी नीति मामले में मनीष सिसोदिया की पुनर्विचार याचिका खारिज

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की पुनर्विचार याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि समीक्षा का कोई मामला नहीं बनता। 30 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने शराब नीति मामले में सिसोदिया को जमानत देने से मना कर दिया था। वह इसी आदेश पर दोबारा विचार की मांग कर रहे थे। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने 29 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी।

30 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया को जमानत देने से मना करते हुए कहा था कि जांच एजेंसी 338 करोड़ रुपये का लेनदेन साबित कर पाई है। फिलहाल उन्हें जमानत नहीं मिल सकती है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि 6 महीने में अगर निचली अदालत में मुकदमा खत्म नहीं होता तो जमानत के लिए दोबारा आवेदन किया जा सकता है।

अकाली दल के स्थापना दिवस पर सुखबीर बादल ने मांगी माफी

अमृतसर. शिरोमणि अकाली दल ने गुरुवार को अपना 103वां स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बेअदबी की घटनाओं को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि सिख कौम की सर्वोच्च धार्मिक-अस्थायी सीट, श्री अकाल तख्त साहिब की प्राचीर पर गुरु की इच्छा के प्रति खुद को समर्पित करते हुए ईमानदारी से और बिना शर्त खालसा पंथ से माफी मांगता हूं कि अकाली शासन के दौरान श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी का जघन्य कृत्य हुआ था।

सुखबीर बादल ने कहा, "मैं इस बात के लिए भी माफी मांगता हूं कि हम अपने कार्यकाल के बचे हुए संक्षिप्त समय में दोषियों को पकड़ नहीं सके और उन्हें सजा नहीं दे सके। मुझे बहुत दुख है कि हम कुछ तथाकथित पंथिक व्यक्तियों और संगठनों की साजिशों को समझ नहीं सके और उन्हें हरा नहीं सके और उन्हें हमें जांच सीबीआई को सौंपने के लिए मजबूर करने की अनुमति दे दी। ये घटनाएं मेरे और प्रकाश सिंह बादल के जीवन की सबसे दर्दनाक घटनाएं हैं।"

बादल ने कहा कि हम असली दोषियों को नहीं पकड़ सके उसकी भी माफी मांगना चाहता हूं। हम असली दोषियों को जेल भेजेंगे और जिन्होंने सियासत की है उनकी शक्ल भी सिख कौम के सामने लेकर आएंगे।

माफी गलतियों की होती है, गुनाह की नहीं : स्पीकर संधवां

चंडीगढ़. अकाली दल बादल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल ने आज श्री अकाल तख्त साहिब श्री अमृतसर में उपस्थित होकर बेअदबी की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के लिए माफी मांगी है। इस संबंधी कुलतार सिंह संधवां स्पीकर पंजाब विधान सभा ने सवाल उठाते हुए कहा है कि यह देखने की बहुत जरूरत है कि इस माफी के पीछे सुखबीर बादल का मकसद क्या है? स्पीकर संधवां ने कहा कि धन-धन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के श्रद्धावान सिख के तौर पर मेरा मानना है कि गुरू ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए कोई माफी हो ही नहीं सकती। यदि सुखबीर बादल बेअदबी के गुनाहों के लिए सच्चे दिल से पश्चाताप करना चाहता है तो उसको सक्रिय राजनीति से किनारा कर गुरू के विनम्र सिख के तौर पर श्री अकाल तख़्त साहिब और समूह सिख संगतों के आगे नतमस्तक होकर विनती करनी चाहिए।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 30 को उतरेगा पहला विमान

सीएम योगी ने अधिकारियों को दिए थे जल्द काम पूरा करने के आदेश

अयोध्या. भगवान श्रीराम की नगरी मोदी-योगी सरकार की प्राथमिकताओं के केंद्र में है। भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के साथ-साथ अयोध्या में तमाम विकास कार्यों को तेज गति से पूरा किया जा रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो इसे ध्यान में रखते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य भी तेज गति से पूरा किया जा रहा है। जनवरी माह में भव्य श्रीराम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले अयोध्या जनपद में हवाई यातायात सेवाएं प्रारंभ हो जाएंगी। वहीं एयरपोर्ट पर 30 दिसंबर को ही उद्घाटन के लिए पहला विमान पहुंच जाएगा। सीएम योगी व उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीके सिंह ने अभी कुछ दिन पहले ही एयरपोर्ट का निरीक्षण किया था। अधिकारियों को 15 दिसबंर तक काम पूरा करने के आदेश दिए गए थे। अधिकारियों ने भी सीएम और केंद्रीय मंत्रियों को आश्वस्त किया था कि काम युद्ध स्तर पर जारी है और तय सीमा पर काम पूरा कर दिया जाएगा। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का काम आखिरी स्टेज में है। रनवे बनकर तैयार हो गया है।

रनवे की लंबाई 2200 मीटर व 45 मीटर चौड़े रनवे का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण है। दूसरे चरण में रनवे 3700 मीटर का हो जाएगा। टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण कार्य 98 फीसदी पूरा हो गया है। जबकि रनवे का कार्य पूरा कर लिया गया है। अब श्रीराम एयरपोर्ट 50 हजार स्क्वायर फीट का हो जाएगा। रनवे पर नाइट लैंडिंग के लिए सभी इक्विपमेंट लगा दिये गये हैं। कोहरे और धुंध में लैंडिंग के लिए कैट वन और रेसा सुविधाओं का काम भी पूरा हो गया है। लैंडिंग लाइट्स भी लगा दी गई हैं। एटीसी टावर बनाया जा चुका है। फायर स्टेशन बनाया जा चुका है। एयरपोर्ट के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी आ गई हैं। यहां पर एक साथ आठ एयरक्राफ्ट पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। परियोजना में शामिल कुल 821.34 एकड़ भूमि का अधिग्रहण भी पूरा हो चुका है।

बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए व्यापक दुर्घटना मुआवज़ा नीति का ऐलान

नीति को रेगुलर, ठेका आधारित और उप- ठेका आधारित कर्मचारियों समेत सभी कर्मचारियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए किया तैयार: हरभजन सिंह ई.टी.ओ.

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने अपने कर्मचारियों की भलाई को पहल देते हुए पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पी.एस.पी.सी.एल) के कर्मचारियों के लिए एक दुर्घटना मुआवज़ा नीति पेश की है। यहाँ यह जानकारी देते हुए बिजली मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने बताया कि यह नीति 8 दिसंबर, 2023 से प्रभावी है, जो कार्य से सम्बन्धित हादसों के मद्देनजऱ कर्मचारियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, जिसमें रेगुलर, ठेका आधारित और उप- ठेका आधारित पर काम करने वाले कामगार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नयी नीति के अंतर्गत पी.एस.पी.सी.एल के रेगुलर कर्मचारियों को न केवल दुर्घटना के

लाभ प्राप्त होंगे, बल्कि वह इमरजैंसी के दौरान 3 लाख तक के डॉक्टरी एडवांस तक प्राप्त कर सकेंगे, जिससे यह सुनिश्चित बनाया जा सके कि उनको ज़रूरी डॉक्टरी इलाज प्राप्त करने में कोई वित्तीय मुश्किल पेश न आए।

बिजली मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने कर्मचारियों की बदलती माँगों और बदलते हालातों के समाधान के लिए नीति के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे स्टाफ को निर्विघ्न बिजली सप्लाई को सुनिश्चित बनाने के लिए जिन खतरों का सामना करना पड़ता है, उनके मद्देनजऱ पी.एस.पी.सी.एल ने हादसों से सम्बन्धित मुआवज़े को सही ढंग से लागू करने के लिए एक व्यापक नीति तैयार की है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह, ठेके की शर्तों पर काम करने वाले कर्मचारियों को बेहतर सहायता देने के लिए घातक हादसों के लिए एक्स-ग्रेशिया सहायता को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख कर दिया गया है। इसके अलावा, ऐसे कामगारों के लिए वित्तीय सहायता को बढ़ाते हुए सामूहिक बीमे की रकम 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख कर दी गई है। बिजली मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने कहा कि इस नीति की शुरुआत से पहले ठेका आधारित और उप-ठेका आधारित श्रेणियों के कामगारों को ग़ैर-घातक हादसों की स्थिति में कोई वित्तीय लाभ नहीं मिलता था, जबकि नयी नीति इस अंतर को खत्म करते हुए सुनिश्चित बनाती है कि 100 प्रतिशत विकलांगता की स्थिति में 10 लाख की रकम का भुगतान किया जायेगा। इसके अलावा, विकलांगताओं के लिए मुआवज़ा घटना की गंभीरता के आधार पर अनुपात के अनुसार निर्धारित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसी तरह, नयी नीति ग़ैर-बालिग़ निजी व्यक्तियों के लिए मुआवज़े में एक महत्वपूर्ण वृद्धि भी लाती है, जो पहले सीमित मुआवज़े के अधीन थे।

बिजली मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार का यह कदम बिजली क्षेत्र में कर्मचारियों की सुरक्षा और तंदुरुस्ती के प्रति वचनबद्धता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह व्यापक दुर्घटना मुआवज़ा नीति, जो कर्मचारी-केंद्रित नीतियों के रुझान को प्रोत्साहित करती है और यह सुनिश्चित बनाती है कि ज़रूरी सेवाओं में योगदान देने वालों की उपयुक्त सुरक्षा की जाये, अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल के तौर पर काम करेगी।

रेगुलर कर्मचारियों, पी.एस.पी.सी.एल द्वारा सीधे तौर पर रखे गए ठेके पर काम करने वाले कामगार, ठेकेदारों/आऊटसोर्स्ड एजेंसियाँ द्वारा ठेके पर काम करने वाले कामगार और प्राईवेट व्यक्तियों के लिए पुरानी दुर्घटना मुआवज़ा पॉलिसी और नयी मुआवज़ा नीति में महत्वपूर्ण अंतर हैं।

लुधियाना एनकाउंटर में मारे गए मुलजिम के अगले-पिछले संबंधों की जांच के लिए एसआईटी का गठन : आईजीपी हैडक्वाटर

19 साल पहले चोरी करके अपराध जगत में शामिल हुआ मृतक मुलजिम 24 आपराधिक मामलों में था वांछित

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

लुधियाना में पुलिस मुठभेड में बदनाम अपराधी सुखदेव सिंह उर्फ विक्की के मारे जाने से एक दिन बाद, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी लुधियाना ग्रामीण) जसकिरनजीत सिंह तेजा के नेतृत्व में मृतक अपराधी के अगले-पिछले सम्बन्धितों का पता लगाने के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई है। यह जानकारी आज यहाँ इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (आईजीपी) हैडक्वाटर सुखचैन सिंह गिल ने दी। बताने योग्य है कि इस विशेष जांच टीम में अतिरिक्त डीसीपी ज़ोन 4 तुषार गुप्ता, अतिरिक्त डीसीपी (डी) रुपिन्दर कौर सरां और एसएचओ डिवीजऩ नंबर 7 सुखदेव

सिंह सदस्यों के तौर पर शामिल हैं।

आई.जी.पी हैडक्वाटर जो कि कमिश्नर ऑफ पुलिस (सीपी) लुधियाना कुलदीप सिंह चाहल के साथ आज यहाँ पुलिस हैडक्वाटर में प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे, ने बताया कि मृतक अपराधी ने 2004 में चोरी की छोटी सी वारदात के साथ 19 साल पहले अपराध जगत में कदम रखा था और इसके बाद उसने घृणित अपराधों को अंजाम देना शुरू कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा समय में मृतक सुखदेव विक्की कम से कम 24 आपराधिक मामलों में वांछित था, जिसमें ज़्यादातर इरादल कत्ल, डकैती, चोरी, लूट-मार, जबरन वसूली, एनडीपीएस मामले आदि शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक बुधवार शाम को लुधियाना के गाँव पंजेटा में कोहाड़ा माछीवाड़ा रोड पर पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान मृतक अपराधी सुखदेव सिंह उर्फ विक्की निवासी लुधियाना माछीवाड़ा में मारा गया था। उसके तीन साथियों, यूपी आधारित आर्यन सिंह उर्फ राजा (21), जो मौजूदा समय में लुधियाना के मोती नगर में रह रहा है, सुनील कुमार (21) निवासी खुशी नगर, यूपी और बलविन्दर सिंह (27) निवासी माछीवाड़ा को लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस द्वारा पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान पुलिस कर्मचारी ए.एस.आई. दलजीत सिंह गोली लगने से जख़्मी हो गया, जबकि सी.आई.ए.-2 लुधियाना के इंचार्ज इंस्पेक्टर बेअंत सिंह जुनेजा, जो इस कार्यवाही का नेतृत्व कर रहे थे, तब बाल-बाल बच गए, जब उनकी छाती के नज़दीक बुलेट प्रूफ़ जैकेट पर गोली लगी। पुलिस द्वारा इंस्पेक्टर बेअंत जुनेजा के बयान के आधार पर एफआईआर नंबर 146 तारीख़ 13.12.2023 को भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धारा 307, 353, 333, 332 और 186 और शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27 के अंतर्गत लुधियाना के थाना कूम्म कलाँ में मामला दर्ज किया गया है।

आईजीपी सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि पुलिस टीमों द्वारा मृतक के कब्ज़े से एक .32 बोर का पिस्तौल और एक मैगज़ीन, एक जिंदा कारतूस और तीन खाली कारतूस बरामद किये गए हैं।

6 बार समन के बाद भी सीएम सोरेन नहीं हुए हाजिर, गिरफ्तारी वारंट के लिए कोर्ट जा सकती है ईडी

रांची. ईडी अब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ वारंट और कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रही है। सोरेन ईडी के छह समन को नजरअंदाज कर चुके हैं। उन्होंने समन की हर तारीख पर जवाबी पत्र भेजा, लेकिन वे एजेंसी के समक्ष पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुए। एजेंसी अब उनके खिलाफ कोर्ट से वारंट जारी कराने और उनकी गिरफ्तारी के विकल्पों पर विधि विशेषज्ञों से परामर्श कर रही है। जमीन घोटाले की जांच कर रही ईडी ने सोरेन को आखिरी समन बीते 10 दिसंबर को जारी किया था और उन्हें 12 दिसंबर को एजेंसी के रांची स्थित जोनल ऑफिस में दिन के 11 बजे उपस्थित होने को कहा था।

सोरेन के ईडी के दफ्तर पहुंचने की संभावना को लेकर

सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरे दिन ईडी दफ्तर के बाहर गहमागहमी रही, लेकिन सोरेन हाजिर नहीं हुए. वह दोपहर तीन बजे ईडी के दफ्तर के ठीक सामने से गुजरते हुए रांची एयरपोर्ट चले गए और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए दुमका के लिए रवाना हुए, जहां उन्हें 'आपकी सरकार, आपके द्वार' अभियान के तहत पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम में उपस्थित होना था। सोरेन ने दुमका में जनसमूह को संबोधित करते हुए ईडी के समन का जिक्र किए बगैर कहा, "कुछ लोगों को संदेह था कि मैं आज यहां इस कार्यक्रम में रहूंगा या नहीं, लेकिन मैं आपके बीच हूं।"

न्यू ईयर : जश्न के लिए हैं बेस्ट जगहें, कम खर्च में फुल एंजॉय

TRAVELLING

नए साल मनाने के लिए लोग एक अच्छी प्लेस की तलाश में रहते हैं। तो आइए जानते हैं भारत की ऐसी जगहों के बारे में जहां बेस्ट न्यू ईयर सेलिब्रेशन कर सकते हैं।

तस्वीर साभार Google

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

कुछ ही दिनों में लोग साल 2023 को अलविदा करेंगे और साल 2024 का स्वागत बेहद धूम-धाम से होगा। नए साल पर भारत की अलग-अलग जगहों पर जोरदारी से जश्न मनाया जाता है। लोग नए साल का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं। अक्सर लोग नए साल पर घूमने जाने का प्लान बनाते हैं। अगर आप भी कही बाहर जाकर न्यू ईयर सेलिब्रेट करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यहां हम बता रहे हैं उन जगहों के बारे में जहां पर आपका ट्रिप सस्ते में निपट जाएगाा और आप पूरी तरह से एंजॉय भी कर पाएंगे।

न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए बेस्ट प्लेस

1) **मनाली-** नए साल के जश्न के लिए आप मनाली जा सकते हैं। यहां जगह-जगह पर पार्टी का आयोजन होता है। नए साल पर मनाली में काफी भीड़ होती है। खूबसूरत पहाड़ियों का नजारा देखने के लिए आप यहां जा सकते हैं। दोस्तों के साथ आप यहां की ट्रिप प्लान कर सकते हैं।

2) **ऋषिकेश-** दोस्तों के साथ घूमने के लिए ऋषिकेश काफी बेस्ट है। नए साल को शांति के साथ मनाने के लिए ऋषिकेश एक अच्छी जगह है, जहां आप योग और मेडिटेशन की प्रेक्टिस भी कर सकते हैं।

3) **माउंट आबू-** माउंट आबू राजस्थान की इकलौता हिल स्टेशन है। अगर आप नए साल का जश्न किसी खास जगह पर मनाना चाहते हैं तो माउंट आबू जा सकते है। यहां पर आप परिवार के सदस्यों के साथ भी जा सकते हैं।

4) **जैसलमेर-** नए साल का जश्न मनाने के लिए आप जैसलमेर भी जा सकते हैं। रॉयल लाइफ एंजॉय करने के लिए ये बेस्ट है। यहां रेगिस्तान पर आप एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं।

5) **देहरादून-** दोस्तों संग पार्टी करने के लिए आप देहरादून जा सकते हैं। यहां पर काफी क्लब्स हैं जहां पर नए साल का जश्न धूमधाम से मनाया जाता है।

FOOD BENEFITS

सर्दियों में मूंगफली वेट लॉस-डायबिटीज में मददगार

तस्वीर साभार Google

टाइम पास स्नैक्स मूंगफली वेट लॉस से लेकर डायबिटिज तक में बेहद फायदेमंद हैं। आइए जानते हैं मूंगफली खाने से सेहत को मिलते हैं क्या-क्या गजब के फायदे।

सर्दियों में खुली धूप में बैठकर मूंगफली खाने का मजा शायद ही शब्दों में बयां किया जा सके। मूंगफली टाइम पास स्नैक्स से लेकर सेहत का भी खास ख्याल रखती है। मूंगफली में प्रोटीन और फाइबर की पर्याप्त मात्रा के साथ पॉलीफेनोल, एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं। जो वेट लॉस से लेकर डायबिटिज तक में बेहद फायदेमंद हैं। आइए जानते हैं मूंगफली खाने से सेहत को मिलते हैं क्या-क्या फायदे।

मूंगफली खाने के फायदे

वेट लॉस- बहुत कम लोग इस बात को जानते हैं कि आपका फेवरेट टाइम पास स्नैक्स मूंगफली स्वाद के साथ आपके वेट लॉस में भी मदद कर सकता है। दरअसल, मूंगफली खाने से लंबे समय तक व्यक्ति को भूख नहीं लगती है, जिसकी वजह से व्यक्ति कम मात्रा में भोजन करता है। जिससे वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है। मूंगफली में मौजूद हेल्दी मोनोअनसैचुरेटेड फैट हार्मोन को उत्तेजित करके भूख के प्रति व्यक्ति को संतुष्ट महसूस करवाने में मदद करता है। जिससे व्यक्ति का वजन नहीं बढ़ता है।

हेल्दी त्वचा- मूंगफली में मौजूद विटामिन बी3 और नियासिन त्वचा को झुर्रियों, फाइन लाइन और हाइपरपिगमेंटेड धब्बों को कम करने में भी मदद करती है। सीमित मात्रा में मूंगफली का नियमित सेवन करने से त्वचा में निखार आ सकता है। ऐसे में आप सर्दियों में स्किन को फटने से बचाने के लिए पीनट ऑयल का यूज भी कर सकते हैं।

बच्चों का विकास- मूंगफली में मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों को सपोर्ट करके मसल्स को मजबूती देता है। ये प्रोटीन फिजिकल एक्टिविटी के बाद रिकवरी में मदद करके शारीरिक विकास में सुधार करता है।

सर्दी-जुकाम- मूंगफली का सेवन करने से सर्दी-जुकाम में भी फायदा मिलता है। मूंगफली की तासीर गर्म होने की वजह से यह आपका शरीर सर्दियों में गर्म रखकर सर्दी-जुकाम की समस्या में जल्द राहत दे सकती है।

डायबिटीज- मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज में भी फायदा मिल सकता है। मूंगफली में मौजूद मिनरल्स ब्लड शुगर को संतुलित रखने में मदद करते हैं। एक अध्ययन के अनुसार मूंगफली का सेवन डायबिटीज के खतरे को 21 फीसदी तक कम कर सकता है।

FASHION

ठंड में ये कपड़े कर रहे ट्रेंड

आपके ऊनी कपड़े तो बाहर आ ही चुके होंगे। बस अब जद्दोजहद चल रही होगी कि क्या पहनें, क्या हटाएं और क्या नया शामिल करें। कुछ ऊनी कपड़े हमारे दिल के बेहद करीब होते हैं क्योंकि उन्हें नानी या दादी ने बहुत प्यार से बुना होता है। जाहिर है, ऐसे कपड़ों को हटाने के बारे में तो आप कभी सोच ही नहीं सकतीं। जो आपको हर सर्दी में स्टाइलिश ही दिखाएंगे। साथ ही आपको यह भी पता चलेगा कि कैसे आप अपने साधारण से दिखने वाले कपड़ों को बेहतरीन तरीके से पहन सकती हैं।

हाथ की बुनाई पीछे नहीं- हाथ की बुनाई वाले स्वेटर की जगह कोई भी फैशनेबल स्वेटर या ड्रेस नहीं ले सकती। दादी और नानी बड़े ही अरमान से हमारे लिए यह प्यार बुनती हैं, ऐसे में ये हमारे लिए बेहद खास बन जाते हैं। जहां तक बात आती है फैशन की, तो इस तरह के स्वेटर अब इतने ज्यादा पसंद किए जाते हैं कि अब ये आपको बाजार में और अच्छे ब्रांड में भी मिल जाते हैं। इस तरह के कपड़ों में आप स्वेटर के अलावा, जैकेट, कुर्ती, मफलर अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं। अगर कोई स्वेटर बहुत पुराना हो चुका है तो उसकी बुनाई खुलवाकर आप उसे नया रूप भी दे सकती हैं।

स्टाइलिंग टिप : आप जींस के ऊपर चौड़े गले और ढीली बांहों वाला ढीला स्वेटर पहन सकती हैं। इसके अंदर आप टर्टल नेक वाली टीशर्ट पहन सकती हैं या फिर कॉन्ट्रास्ट रंग में बड़े गले वाली टीशर्ट पहन सकती हैं। हाथ की बुनाई वाली लॉन्ग जैकेट पर आप चौड़ी लेदर बेल्ट पहन सकती हैं।

टर्टल नेक का कोई जोड़ नहीं- टर्टल नेक लगभग हम सभी के पास होता है। इस तरह की टीशर्ट और स्वेटर हमें हर साल सर्दियों में स्टाइलिश लुक देने से पीछे नहीं रहते। टर्टल नेक की खास बात यह है कि इसे आप खाली भी पहन सकती हैं या इसके साथ लेयरिंग भी कर सकती हैं। कुछ भी समझ में न आए तो टर्टल नेक टीशर्ट पर एक साधारण सा मफलर या स्कॉर्फ भी जान डाल देता है।

स्टाइलिंग टिप्स - इस मौसम आप बुनाई वाले टर्टल नेक क्रॉप टॉप पहन सकती हैं। इसके अलावा इस तरह के टॉप के साथ ब्लेजर, श्रग या ओवरकोट से लेयरिंग कर सकती हैं। इस तरह के टॉप को इन करके आप लेदर स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। ऐसे टॉप पर चौड़ी बेल्ट खूब फबती है। इस तरह के टॉप पर आप नेक को अंदर की तरफ पलटकर भी उसे अलग लुक दे सकती हैं।

स्वाद के साथ आपकी सेहत भी बिगाड़ सकता है मिलावटी सरसों का तेल

खुद को मिलावटी तेल के इस्तेमाल से बचाने के लिए उसकी पहचान करना बेहद जरूरी है। जानते हैं कैसे आसानी से मिलावटी सरसों तेल को पहचाने...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

भारतीय रसोई में खाना पकाने के लिए ज्यादातर महिलाएं सरसों के तेल का इस्तेमाल करती हैं। शुद्ध सरसों का तेल स्वाद के साथ सेहत और खूबसूरती का भी ख्याल रखता है। लेकिन सरसों का तेल अगर मिलावटी हो तो वो सेहत और खूबसूरती को बनाए रखने की जगह बिगाड़ भी सकता है। ऐसे में खुद को मिलावटी तेल के इस्तेमाल से बचाने के लिए उसकी पहचान करना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं कैसे कुछ आसान किचन टिप्स आजमाकर आप घर पर ही बड़ी आसानी से मिलावटी सरसों के तेल का पता लगा सकती हैं।

मिलावटी सरसों के तेल की पहचान करने के टिप्स-

फ्रिज का करें यूज- सरसों के तेल में मिलावट का पता करने के लिए सबसे पहले उसका फ्रीजिंग टेस्ट करें। यह सरसों के तेल में मिलावट का पता करने का सबसे आसान तरीका है। इस उपाय को करने के लिए एक कटोरे में थोड़ा सा सरसों का तेल निकालकर उसे कुछ घंटों के लिए फ्रिज में रख दें। बाहर निकालने पर अगर तेल जमा हुआ रहे या फिर उसमें सफेद धब्बे दिखाई दें तो जाएं कि तेल में मिलावट की गई है।

रबिंग टेस्ट- सरसों का तेल असली है या नकली, इसकी जांच करने के लिए अपने हाथों में थोड़ा तेल लेकर उसे अच्छे से दोनों हाथों के बीच रगड़कर देखें। अगर ऐसा करते समय आपको लगे कि तेल से किसी तरह का कोई रंग या केमिकल की बदबू आ रही है तो तेल मिलावटी है।

बैरोमीटर टेस्ट- सरसों के तेल की रीडिंग अगर तय मानक से ज्यादा हो तो तेल नकली होता है। जब भी तेल खरीदकर लाएं, उसकी बैरोमीटर रीडिंग से पहचान कर लें कि तेल असली है या नकली।

तेल की गंध- शुद्ध सरसों के तेल की अपनी एक अलग गंध होती है, जिसको HCN (हाइड्रो साइनिंग एसिड) कहते हैं। यह गंध सेहत के लिए हानिकारक नहीं होती है। लेकिन तेल अगर मिलावटी है तो उसकी गंध के सामने आप ज्यादा देर तक खड़े नहीं रह पाएंगे।

हाइड्रोक्लोरिक एसिड टेस्ट- इस टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले एक टेस्ट ट्यूब में पांच मिली सरसों का तेल लेकर उसमें 5एमएल हाइड्रोक्लोरिक एसिड मिला दें। इस टेस्ट ट्यूब को हिलाने पर हाइड्रोक्लोरिक एसिड नीचे साफ दिखता है और अगर तेल का कलर चेंज नहीं होता है तो यह शुद्ध सरसों का तेल है, जबकि मिलावटी तेल हाइड्रोक्लोरिक एसिड की वजह से रंग में बदलाव करेगा।

आपकी ये गलतियां बिगाड़ सकती हैं बच्चे की मानसिक सेहत, यूं दिखाएं सही राह

PARENTING

सफलता की होड़ में बेहतर रिजल्ट, हर बार सबसे आगे रहने का दबाव आपके लाडले के मानसिक सेहत और उत्पादकता दोनों पर असर डाल सकता है।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

बच्चे यकीनन गीली मिट्टी से होते हैं। और माता-पिता उन्हें जिंदगी की दौड़ में मजबूती से दौड़ने के लिए तैयार करने में मदद करते हैं। सभी चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई में अच्छा हो। नतीजतन, हम अकसर उन्हें अच्छे ग्रेड लाने के लिए नंबरों की दौड़ में बिना रुके, बिना थके भागते रहने के लिए कहते हैं। लेकिन अपने बच्चे को लगातार दूसरों से बेहतर करने और एक कदम आगे रहने के लिए मजबूर करना उनके मानसिक और शारीरिक सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। आपको समझना होगा कि ज्यादा दबाव किसी भी व्यक्ति को तोड़ सकता है और बात जब बाल मन की होती है, तो जोखिम और भी ज्यादा बढ़ जाता है।

न करें आलोचना - जीतना -हारना जीवन का ही हिस्सा है। आप इस बात को अपने बच्चे के मामले में भला कैसे भूल सकती हैं? आपको समझना होगा कि जंदगी के सही पाठ पढ़ाने के लिए कभी-कभी असफलता सफलता से ज्यादा जरूरी होती है। मनोरोग विशेषज्ञ की मानें तो अपने बच्चे को असफल होने दें, इसके लिए उनकी आलोचना न करें। प्रयास के लिए उनकी प्रशंसा कीजिए और भविष्य में बेहतर करने के लिए प्रेरित कीजिए।

निरंतर गति है जरूरी- अच्छे नंबर लाना, प्रतियोगिता में आगे रहना भला किसे अच्छा नहीं लगता। पर, ऐसा न हो पाए तो बच्चे को फटकारने के बजाए उत्साहित करें। उसे सिखाएं कि सबसे ज्यादा जरूरी है निरंतर प्रगति करना, डर पर काबू पाना और नई चीजों को सीखना और आजमाना।

सुनिए और सुनाइए भी- कुछ भी सिखाने के लिए आपको अपने बच्चे का दोस्त बनना पड़ेगा। उससे खुलकर बात कीजिए। जिज्ञासाओं पर प्रतिकूल प्रतिक्रिया देने के बजाए उन्हें शांत करने का प्रयास कीजिए। बच्चों को शुरू से ही मन की बात साझा करने के लिए प्रेरित कीजिए।

सीखने दें मौलिकता- आपके लाडले की सफलता केवल कागजों पर अच्छे नंबर लाने या मेडल जीतने से तय नहीं होती। बल्कि उसका एक अच्छा इंसान बनना भी उसकी सफलता का एक पहलू है। उसका स्वभाव, नैतिक मूल्य भी मायने रखते हैं। लिहाजा, अपने बच्चे में अच्छे संस्कार डालने का प्रयास कीजिए। बकौल डॉ. कुमार बच्चों को बड़ों का सम्मान और छोटों से प्यार करना सिखाएं। उन्हें जरूरतमंद की मदद करने के लिए आगे बढ़ने दीजिए।

HEALTH TIPS

सर्दियों में रहता है खून गाढ़ा होने का खतरा हाई ब्लड प्रेशर है तो इन फूड्स को जरूर खाएं

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को सर्दियों के दिनों मे खून गाढ़ा होने का खतरा रहता है। ऐसे में रोजाना की डाइट में इन फूड्स को जरूर खाना चाहिए। ये खून को पतला करने में मदद करते हैं

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

सर्दी के मौसम में शरीर का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। खासतौर पर हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट जैसी बीमारियों के मरीजों को अपने खानपान से लेकर रूटीन का ध्यान रखना चाहिए। नहीं तो सेहत बिगड़ने का खतरा रहता है। ठंड में कई बार शरीर में खून गाढ़ा होने लगता है। जिसकी वजह से थक्के जमने का डर हो जाता है।

क्यों जम जाता है खून का थक्का

हार्ट.ओआरजी के अनुसार तापमान कम होने और ठंड के कारण खून की नसें सिकुड़ने लगती है। जिसकी वजह से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ जाती है। वहीं कई बार खून के गाढ़ा हो जाने की वजह थक्के जमने लगते हैं। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए ये स्थिति बेहद खतरनाक रहती है।

खून गाढ़ा होने के लक्षण

शरीर में खून गाढ़ा होने के लक्षण आसानी से नहीं दिखते। जब खून के थक्के बनने लगते हैं। तब जाकर इसका असर शरीर पर दिखता है और ये लक्षण दिखते हैं।

- ✓ नजर धुंधली हो जाना
- ✓ चक्कर आना
- ✓ त्वचा पर नीले चकत्ते उभर आना
- ✓ पीरियड्स में ज्यादा ब्लीडिंग होना
- ✓ सिरदर्द
- ✓ ब्लड प्रेशर हाई हो जाना
- ✓ स्किन पर खुजली होना
- ✓ थकान महसूस होना
- ✓ सांस फूलना
- ✓ गठिया की समस्या होना

नसों में खून का थक्का ना जमें इसलिए इन फूड्स को खाएं

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को सर्दियों के मौसम में इन फूड्स को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। ये नसों की सेहत के लिए फायदेमंद होती है। इन्हें खाने से ब्लड सर्कुलेशन पूरी बॉडी में अच्छी तरह से होता है।

अनार

अनार पूरी हेल्थ को सही रखने में मदद करता है। इसमे नाइट्रेट्स, पॉलीफेनॉल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो ब्लड वेसल्स

को चौड़ा करने और उनमे ब्लड फ्लो को आसान करने में मदद करते हैं।

लहसुन

लहसुन नेचुरल ब्लड थिनर है। इसलिए सर्दियों में खून का थक्का जमने से बचने के लिए हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसे जरूर खाना चाहिए। ये नसों के स्ट्रेस को कम करता है और उन्हें रिलैक्स करता है। जिसकी वजह से नसें सिकुड़ती नही है और हाई ब्लड प्रेशर का रिस्क कम हो जाता है।

दालचीनी

दालचीनी हार्ट के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद है। ये ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करती है और उन्हें चौड़ा बनाती है। रिसर्च में भी ये बात सामने आ चुकी है कि दालचीनी कोरोनरी आर्टरी में ब्लड फ्लो को बढ़ाती है। जिससे हार्ट हेल्थ सही होती है। रिसर्च से पता चलता है कि हाइपरटेंशन की वजह से बढ़ने वाले ब्लड प्रेशर के लिए दालचीनी सप्लीमेंट जरूरी है।

अदरक

अदरक का इस्तेमाल डाइजेशन में मदद करने के लिए किया जाता है। लेकिन साथ ही ये शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में भी मदद करता है। रोजाना की डाइट में अदरक की मात्रा शामिल करने से सर्दियों में खून जमने का डर कम होता है।

फेनॉल रिच फूड्स

फेनॉल रिच फूड्स है मटर, बींस, सोया मिल्क, ग्रीन टी, ब्लैक टी, पार्सले। वहीं जैतून के तेल में फेनॉल की मात्रा काफी ज्यादा होती है। जिसे डाइट में शामिल करने से खून का थक्का जमने का खतरा कम होता है। इसलिए फेनॉल एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त फूड्स को जरूर खाना चाहिए।

नोट : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी तरह के प्रयोग या चिकित्सा से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

एससी ने अनुच्छेद 370 पर अपने फैसले में भारत की संप्रभुता और अखंडता को बरकरार रखा है : नरेन्द्र मोदी

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने पर 11 दिसंबर को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में भारत की संप्रभुता और अखंडता को बरकरार रखा है, जिसे प्रत्येक भारतीय द्वारा सदैव संजोया जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना पूरी तरह से उचित है कि 5 अगस्त 2019 को हुआ निर्णय संवैधानिक एकीकरण को बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया था, न कि इसका उद्देश्य विघटन था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस तथ्य को भी भलीभांति माना है कि अनुच्छेद 370 का स्वरूप स्थायी नहीं था।

जम्मू, कश्मीर और लद्दाख की खूबसूरत और शांत वादियां, बर्फ से ढके पहाड़, पीढ़ियों से कवियों, कलाकारों और हर भारतीय के दिल को मंत्रमुग्ध करते रहे हैं। यह एक ऐसा अद्भुत क्षेत्र है जो हर दृष्टि से अभूतपूर्व है, जहां हिमालय आकाश को स्पर्श करता हुआ नजर आता है, और जहां इसकी झीलों एवं नदियों का निर्मल जल स्वर्ग का दर्पण प्रतीत होता है। लेकिन पिछले कई दशकों से जम्मू-कश्मीर के अनेक स्थानो पर ऐसी हिंसा और अस्थिरता देखी गई, जिसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती। वहां के हालात कुछ ऐसे थे, जिससे जम्मू-कश्मीर के परिश्रमी, प्रकृति प्रेमी और स्नेह से भरे लोगों को कभी भी रू-ब-रू नहीं होना चाहिए था।

लेकिन दुर्भाग्यवश, सदियों तक उपनिवेश बने रहने, विशेषकर आर्थिक और मानसिक रूप से पराधीन रहने के कारण, तब का समाज एक प्रकार से भ्रमित हो गया। अत्यंत बुनियादी विषयों पर स्पष्ट नजरिया अपनाने के बजाय दुविधा की स्थिति बनी रही जिससे और ज्यादा भ्रम उत्पन्न हुआ। अफसोस की बात यह है कि जम्मू-कश्मीर को इस तरह की मानसिकता से व्यापक नुकसान हुआ। देश की आजादी के समय तब के राजनीतिक नेतृत्व के पास राष्ट्रीय एकता के लिए एक नई शुरुआत करने का विकल्प था। लेकिन तब इसके बजाय उसी भ्रमित समाज का दृष्टिकोण जारी रखने का निर्णय लिया गया, भले ही इस वजह से दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की अनदेखी करनी पड़ी।

मुझे अपने जीवन के शुरुआती दौर से ही जम्मू-कश्मीर आंदोलन से जुड़े रहने का अवसर मिला है। मेरी अवधारणा सदैव ही ऐसी रही है जिसके अनुसार जम्मू-कश्मीर महज एक राजनीतिक मुद्दा नहीं था, बल्कि यह विषय समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने के बारे में था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नेहरू मंत्रिमंडल में एक महत्वपूर्ण विभाग मिला हुआ था और वे काफी लंबे समय तक सरकार में बने रह सकते थे। फिर भी, उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर मंत्रिमंडल छोड़ दिया और आगे का कठिन रास्ता चुना, भले ही इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। लेकिन उनके अथक प्रयासों और बलिदान से करोड़ों भारतीय कश्मीर मुद्दे से भावनात्मक रूप से जुड़ गए।

कई वर्षों बाद अटल जी ने श्रीनगर में एक सार्वजनिक बैठक में 'इंसानियत', 'जम्हूरियत' और 'कश्मीरियत' का प्रभावशाली संदेश दिया, जो सदैव ही प्रेरणा का महान स्रोत भी रहा है। मेरा हमेशा से दृढ़ विश्वास रहा है कि जम्मू-कश्मीर में जो कुछ हुआ था, वह हमारे राष्ट्र और वहां के लोगों के साथ एक बड़ा विश्वासघात था। मेरी यह भी प्रबल इच्छा थी कि मैं इस कलंक को, लोगों पर हुए इस अन्याय को मिटाने के लिए जो कुछ भी कर सकता हूँ, उसे जरूर करूँ। मैं हमेशा से जम्मू-कश्मीर के लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए काम करना चाहता था।

सरल शब्दों में कहें तो, अनुच्छेद 370 और 35 (ए) जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के सामने बड़ी बाधाओं की तरह थे। ये अनुच्छेद एक अटूट दीवार की तरह थे तथा गरीब,वंचित, दलितों-पिछड़ों-महिलाओं के लिए पीड़ादायक थे। अनुच्छेद 370 और 35(ए) के कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों को वह अधिकार और विकास कभी नहीं मिल पाया, जो उनके साथी देशवासियों को मिला। इन अनुच्छेदों के कारण, एक ही राष्ट्र के लोगों के बीच दूरियां पैदा हो गईं। इस दूरी के कारण, हमारे देश के कई लोग, जो जम्मू-कश्मीर की समस्याओं को हल करने के लिए काम करना चाहते थे, ऐसा करने में असमर्थ थे, भले ही उन लोगों ने वहां के लोगों के दर्द को स्पष्ट रूप से महसूस किया हो।

एक कार्यकर्ता के रूप में, जिसने पिछले कई दशकों से इस मुद्दे को करीब से देखा हो, वो इस मुझे मुद्दे की बारीकियों और जटिलताओं से भली-भांति परिचित था। मैं एक बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट था- जम्मू-कश्मीर के लोग विकास चाहते हैं तथा वे अपनी ताकत और कौशल के आधार पर भारत के विकास में योगदान देना चाहते हैं। वे अपने बच्चों के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता चाहते हैं, एक ऐसा जीवन जो हिंसा और अनिश्चितता से मुक्त हो। इस प्रकार, जम्मू-कश्मीर के लोगों की सेवा करते समय, हमने तीन बातों को प्रमुखता दी- नागरिकों की चिंताओं को समझना, सरकार के कार्यों के माध्यम से आपसी-विश्वास का निर्माण करना तथा विकास, निरंतर विकास को प्राथमिकता देना।

मुझे याद है, 2014 में, हमारे सत्ता संभालने के तुरंत बाद, जम्मू-कश्मीर में विनाशकारी बाढ़ आई थी, जिससे कश्मीर घाटी में बहुत नुकसान हुआ था। सितंबर 2014 में, मैं स्थिति का आकलन करने के लिए श्रीनगर गया और पुनर्वास के लिए विशेष सहायता के रूप में 1000 करोड़ रुपये की घोषणा भी की। इससे लोगों में ये संदेश भी गया कि संकट के दौरान हमारी सरकार वहां के लोगों की मदद के लिए कितनी संवेदनशील है। मुझे जम्मू-कश्मीर में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मिलने का अवसर मिला है और इन संवादों में एक बात समान समान रूप से उभरती है - लोग न केवल विकास चाहते हैं, बल्कि वे दशकों से व्याप्त भ्रष्टाचार से भी मुक्ति चाहते हैं। उस साल मैंने जम्मू-कश्मीर में जान गंवाने वाले लोगों की याद में दीपावली नहीं मनाने का फैसला किया। मैंने दीपावली के दिन जम्मू-कश्मीर में मौजूद

रहने का भी फैसला किया।

जम्मू एवं कश्मीर की विकास यात्रा को और मजबूती प्रदान करने के लिए हमने यह तय किया कि हमारी सरकार के मंत्री बार-बार वहां जायेंगे और वहां के लोगों से सीधे संवाद करेंगे। इन लगातार दौरों ने भी जम्मू एवं कश्मीर में सद्भावना कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मई 2014 से मार्च 2019 के दौरान 150 से अधिक मंत्रिस्तरीय दौरे हुए। यह अपने आप में एक कीर्तिमान है। वर्ष 2015 का विशेष पैकेज जम्मू एवं कश्मीर की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसमें बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन, पर्यटन को बढ़ावा देने और हस्तशिल्प उद्योग को सहायता प्रदान करने से जुड़ी पहल शामिल थीं।

हमने खेलशक्ति में युवाओं के सपनों को साकार करने की क्षमता को पहचानते हुए जम्मू एवं कश्मीर में इसका भरपूर सदुपयोग किया। विभिन्न खेलों के माध्यम से, हमने वहां के युवाओं की आकांक्षाओं और उनके भविष्य पर खेलों से जुड़ी गतिविधियों के परिवर्तनकारी प्रभाव को देखा। इस दौरान विभिन्न खेल स्थलों का आधुनिकीकरण किया गया, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और प्रशिक्षक उपलब्ध कराए गए। स्थानीय स्तर पर फुटबॉल क्लबों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाना इन सबमें एक सबसे अनूठी बात रही। इसके परिणाम शानदार निकले। मुझे प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी अफशां आशिक का नाम याद आ रहा है। वो दिसंबर 2014 में श्रीनगर में पथराव करने वाले एक समूह का हिस्सा थी, लेकिन सही प्रोत्साहन मिलने पर उसने फुटबॉल की ओर रुख किया, उसे प्रशिक्षण के लिए भेजा गया और उसने खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मुझे 'फिट इंडिया डायलॉग्स' के एक कार्यक्रम के दौरान उसके साथ हुई बातचीत याद है, जिसमें मैंने कहा था कि अब 'बेंड इट लाइक बेकहम' से आगे बढ़ने का समय है क्योंकि अब यह 'ऐस इट लाइक अफशां' है। मुझे खुशी है कि अब तो अन्य युवाओं ने किकबॉक्सिंग, कराटे और अन्य खेलों में अपनी प्रतिभा दिखानी शुरू कर दी है। पंचायत चुनाव भी इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। एक बार फिर, हमारे सामने या तो सत्ता में बने रहने या अपने सिद्धांतों पर अटल रहने का विकल्प था। हमारे लिए यह विकल्प कभी भी कठिन नहीं था और हमने सरकार को गंवाने के विकल्प को चुनकर उन आदर्शों को प्राथमिकता दी जिनके पक्ष में हम खड़े हैं। जम्मू एवं कश्मीर के लोगों की आकांक्षाएं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। पंचायत चुनावों की सफलता ने जम्मू एवं कश्मीर के लोगों की लोकतांत्रिक प्रकृति को इंगित किया। मुझे गांवों के प्रधानों के साथ हुई एक बातचीत याद आती है। अन्य मुद्दों के अलावा, मैंने उनसे एक अनुरोध किया कि किसी भी स्थिति में स्कूलों को नहीं जलाया जाना चाहिए और स्कूलों की सुरक्षा की जानी चाहिए। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि इसका पालन किया गया। आखिरकार, अगर स्कूल जलाए जाते हैं तो सबसे ज्यादा नुकसान छोटे बच्चों का होता है।

5 अगस्त का ऐतिहासिक दिन हर भारतीय के दिल और दिमाग में बसा हुआ है। हमारी संसद ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का ऐतिहासिक निर्णय पारित किया और तब से जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में बहुत कुछ बदलाव आया है। न्यायिक अदालत का फैसला दिसंबर 2023 में आया है, लेकिन जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में विकास की गति को देखते हुए जनता की अदालत ने चार साल पहले अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने के संसद के फैसले का जोरदार समर्थन किया है।

राजनीतिक स्तर पर, पिछले 4 वर्षों को जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में फिर से भरोसा जताने के रूप में देखा जाना चहिये। महिलाओं, आदिवासियों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और समाज के वंचित वर्गों को उनका हक नहीं मिल रहा था। वहीं, लद्दाख की आकांक्षाओं को भी पूरी तरह से नजरअंदाज किया जाता था। लेकिन, 5 अगस्त 2019 ने सब कुछ बदल दिया। सभी केंद्रीय कानून अब बिना किसी डर या पक्षपात के लागू होते हैं, प्रतिनिधित्व भी पहले से अधिक व्यापक हो गया है। त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली लागू हो गई है, बीडीसी चुनाव हुए हैं, और शरणार्थी समुदाय, जिन्हें लगभग भुला दिया गया था, उन्हें भी विकास का लाभ मिलना शुरू हो गया है।

केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं ने शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है, ऐसी योजनाओं में समाज के सभी वर्गों को शामिल किया गया है। इनमें सौभाग्य और उज्ज्वला योजनाएं शामिल हैं। आवास, नल से जल कनेक्शन और वित्तीय समावेशन में प्रगति हुई है। लोगों के लिए बड़ी चुनौती रही स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में भी बुनियादी ढांचे का विकास किया गया है। सभी गांवों ने खुले में शौच से मुक्त-ओडीएफ प्लस का दर्जा प्राप्त कर लिया है। सरकारी रिक्तियां, जो कभी भ्रष्टाचार और पक्षपात का शिकार होती थीं, पारदर्शी और सही प्रक्रिया के तहत भरी गई हैं। आईएमआर जैसे अन्य संकेतकों में सुधार दिखा है। बुनियादी ढांचे और पर्यटन में बढ़ावा सभी देख सकते हैं। इसका श्रेय स्वाभाविक रूप से जम्मू-कश्मीर के लोगों की दृढ़ता को जाता है, जिन्होंने बार-बार दिखाया है कि वे केवल विकास चाहते हैं और इस सकारात्मक बदलाव के वाहक बनने के इच्छुक हैं। इससे पहले जम्मू, कश्मीर और लद्दाख की स्थिति पर सवालिया निशान लगा हुआ था। अब, रिकॉर्ड वृद्धि, रिकॉर्ड विकास, पर्यटकों के रिकॉर्ड आगमन के बारे में सुनकर लोगों को सुखद आश्चर्य होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर के अपने फैसले में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत किया है। इसने हमें याद दिलाया कि एकता और सुशासन के लिए साझा प्रतिबद्धता ही हमारी पहचान है। आज जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को साफ-सुथरा माहौल मिलता है, जिसमें वह जीवंत आकांक्षाओं से भरे अपने भविष्य को साकार कर सकता है। आज लोगों के सपने बीते समय के मोहताज नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाएं हैं। जम्मू और, कश्मीर में मोहभंग, निराशा और हताशा की जगह अब विकास, लोकतंत्र और गरिमा ने ले ली है।

राज्य स्तरीय अभियान 'विकसित भारत@2047

राज्यपाल ने बदलाव की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शिक्षाविदों से जिम्मेदारी उठाने का आह्वान किया

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

वर्ष 2047 तक भारत को एक समग्र विकास के युग की ओर ले जाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय 'विकसित भारत@2047: वॉयस ऑफ यूथ' अभियान सोमवार को पंजाब राजभवन से शुरू हुआ। समारोह में उपस्थित मेहमानों को संबोधित करते हुए, बनवारी लाल पुरोहित, राज्यपाल पंजाब और प्रशासक यूटी, चंडीगढ़ ने कहा कि 'विकसित भारत@2047' भारत सरकार का देश की आजादी के 100वें वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना है। इसके लिए, सभी हितधारकों की भागीदारी के साथ एक महत्वाकांक्षी और परिवर्तनकारी एजेंडा तैयार करने की आवश्यकता है।

युवा, जिसकी देश की जनसंख्या में सबसे बड़ी भागीदारी है, उसकी इसमें बहुत बड़ी भूमिका है। शिक्षाविदों से बदलाव की इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने की जिम्मेदारी उठाने का आह्वान करते हुए, पुरोहित ने कहा कि युवाओं के नवीन विचारों को राष्ट्र निर्माण में शामिल करना और उन्हें 2047 तक विकसित भारत के सपने को मूर्त रूप देने में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है। यह महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक युवा, विशेषकर कॉलेजों/संस्थानों और विश्वविद्यालयों के युवा इस राष्ट्र-निर्माण के महत्वपूर्ण कार्य में भाग लें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शिक्षाविदों को युवाओं में नैतिक मूल्यों और अनुशासन, विशेष रूप से समय-प्रबंधन कौशल को विकसित करके उनके चरित्र निर्माण में सहायता करनी चाहिए। इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्यपाल ने युवाओं से तीन सवाल भी पूछे और उनसे इनका जवाब भी जानना चाहा, जो कुछ इस प्रकार से थे, "विकसित भारत@2047 को संभव बनाने के लिए आप क्या कर सकते हैं? इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिए हमें क्या करने की आवश्यकता है? विभिन्न पहलुओं के अनुरूप 2047 में विकसित भारत कैसा दिखना चाहिए?" राज्यपाल ने कहा, "आपमें से हर कोई इसके बारे में सोच सकता है और "विकसित भारत@2047 आइडियाज़ पोर्टल" पर अपने सुझाव भेज सकता है।" इससे पहले, सशक्त भारतीयों, सुशासन और सुरक्षा सहित प्रासंगिक विषयों पर पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें पंजाब एवं चंडीगढ़ के प्रमुख शिक्षाविदों ने विचार-विमर्श किया। सचिव शिक्षा, यूटी, चंडीगढ़ ने 'विकसित भारत@2047 में युवाओं को शामिल करना-संभावित दृष्टिकोण' संबंधी जानकारी प्रदान की।

इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पंजाब राजभवन में विभिन्न विश्वविद्यालयों के 20 से अधिक कुलपतियों, संस्थानों के प्रमुखों, 250 से अधिक प्रिंसिपलों, डीन और राज्य भर के कॉलेजों के फेकल्टी सदस्यों के साथ शिक्षाविदों का एक अनूठा संगम देखने को मिला। इसके अलावा, पंजाब और चंडीगढ़ के उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मोदी की गारंटी की गाड़ी विकास का सशक्त हस्ताक्षर : अनुराग ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज** . हिमाचल प्रदेश

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होने हेतु दो दिनों के हिमाचल प्रवास पर हैं। आज अपने प्रवास के दूसरे दिन ठाकुर कुटलैहड़ विधानसभा के बंगाणा ग्राम व चितपूर्णी जी विधानसभा के नैहरियां ग्राम में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों में शामिल हुए व आम जन मानस के साथ सार्थक परिचर्चा की। इसके अलावा ठाकुर आज ऊना जिले स्थित वशिष्ठ पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में भी शामिल हुए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में लोगों से संवाद करते हुए ठाकुर ने कहा, "विकसित भारत संकल्प यात्रा केंद्र सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की अंतिम आदमी तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु शुरू किया गया एक देशव्यापी अभियान है। इसमें मोदी की गारंटी की गाड़ी देश के सभी पंचायत और नगर निकायों में जाएगी। ये मोदी की गारंटी की गाड़ी विकास का सशक्त हस्ताक्षर है।

अनुराग ठाकुर ने आगे मोदी सरकार के 9 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियां का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए कहा, "मात्र 9 वर्षों के अपने कार्यकाल में मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने चार करोड़ से ज्यादा जरूरतमंदों को पक्के आवास दिए। आज यह सभी गरीब दो कमरों के मकान के साथ लखपति बन गए हैं। मोदी जी ने पूरे देश में 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय बनवाए हैं। पहले जहां पानी ढोते ढोते माता- बहनों के पूरे दिन निकल जाया करते थे, वहां आज मोदी जी ने 13 करोड़ से ज्यादा नल से जल के कनेक्शन पहुंचा दिए। अगले दो वर्षों में हम 25 करोड़ घरों तक नल से जल पहुंचा देंगे। इसी प्रकार लगभग 10 करोड़ माता बहनों को रसोई गैस का सिलेंडर दिया गया। आज जरूरतमंदों को रसोई गैस का सिलेंडर मात्र 603 रुपए में दिया जा रहा है। मोदी जी ने देश के अंतिम गांव तक बिजली पहुंचाई, 60 करोड़ जरूरतमंदों को सालाना ₹5 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया गया, 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को पिछले 5 वर्षों से प्रतिमाह मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। यह अनाज अगले 5 वर्षों तक इसी प्रकार मुफ्त में मिलता रहेगा। इस पर लगभग 12 लाख करोड रुपए का खर्च आएगा। मोदी सरकार पूरे देश में किसी भी गरीब को भूखा नहीं रहने देगी। आज पूरे देश के 11 करोड़ से ज्यादा किसानों को सालाना ₹6000 मिलते हैं।" ठाकुर ने आगे कहा, "मोदी सरकार ने पेट्रोल और डीजल के दाम दो बार काम किए हैं। जब हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी तब राज्य सरकार ने भी दो बार दाम कम किए थे। मगर जैसे ही राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी वैसे ही दो बार दाम बढ़ा दिए गए। यह स्पष्ट अंतर है।"

अनुराग ठाकुर ने आगे बताया कि जब वह राजस्थान में चुनाव प्रचार हेतु गए थे तब श्रीगंगानगर में उन्हें पेट्रोल के दाम 118 रुपए प्रति लीटर मिले। "यह कांग्रेस हर जगह करती है। राजस्थान हो या छत्तीसगढ़, हर जगह कई पेपर लीक के मामले सामने आए। राजस्थान में जहां 19 से ज्यादा बार पेपर लीक हुए, वहीं छत्तीसगढ़ में ऐसा कोई भी कांग्रेसी नेता या मंत्री नहीं है जिसके घर वालों को सरकारी नौकरी न मिली हो। इसीलिए राजस्थान और छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की सरकारी चली गई।"

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत पीएम ने लाभार्थियों से की लाइव बातचीत

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . एक ऐतिहासिक क्षण में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी चल रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के हिस्से के रूप में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ लाइव बातचीत में शामिल हुए। यह बातचीत पूरे भारत में नागरिकों के जीवन पर सरकारी पहलों के ठोस प्रभाव को दर्शाने वाले एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर के रूप में कार्य करती है।

15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर झारखंड के खूंटी से शुरू हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा सभी ग्राम पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों को कवर करने के अपने मिशन में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैन का लाभ उठाते हुए, और प्रत्येक स्थान पर विभिन्न योजनाओं के लिए शिविरों का आयोजन करते हुए, यात्रा समग्र और समावेशी विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। माननीय प्रधान मंत्री देश भर में पांच स्थानों पर लाभार्थियों से सीधे जुड़े। इन स्थानों में कर्नाटक का तुमकुर, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर का शेखपुरा, बिहार का दरभंगा और गुजरात का भरूच शामिल हैं।

चंडीगढ़ में नागरिकों से सीधे जुड़ते हुए, प्रधान मंत्री मोदी ने लाभार्थियों के साथ बातचीत की और वास्तविक जीवन पर सरकारी योजनाओं के परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रदर्शित किया। लाभार्थियों में एक चाय विक्रेता सुश्री मोना भी शामिल थीं, जिन्हें पीएम स्वनिधि योजना से लाभ हुआ है। उनके प्रमाणों ने सशक्तिकरण और कृतज्ञता की शक्तिशाली कहानियाँ प्रदान कीं, जो इन पहलों की सफलता और आम लोगों के जीवन में उनके प्रभाव को रेखांकित करती हैं।

पटियाला में, मंत्री मांडविया ने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' की गति को स्वीकार किया

• **जालंधर ब्रीज** . पटियाला

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने आज पटियाला के डकाला गांव में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में लाभार्थियों से मुलाक़ात की। पुरानी अनाज मंडी में आयोजित यह कार्यक्रम केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तक घर-घर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी अभियान में एक मील पत्थर का प्रतीक है।

यात्रा के दौरान, मंत्री मांडविया ने विभिन्न प्रकार के लाभार्थियों के साथ उनके जीवन पर सरकारी पहलों के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में जोर देते हुए बातचीत की। उन्होंने प्रत्येक नागरिक के कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता और इन योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाने में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के महत्व को रेखांकित किया।

मंत्री ने यात्रा की समीक्षा भी की, जो 8 दिसंबर, 2023 को शाम 4 बजे तक पंजाब की प्रभावशाली 1226 ग्राम पंचायतों तक पहुंच चुकी है। इसमें जबरदस्त भागीदारी रही है, जिसमें कुल 125,166 लोग शामिल हुए हैं, जो जनसांख्यिकी तक पहुंचने और जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों को सशक्त बनाने में यात्रा की सफलता को दर्शाता है। यात्रा के दौरान स्वास्थ्य को केंद्र में रखा गया, स्वास्थ्य शिविरों में 60,756 व्यक्तियों की जांच की गई, 27,697 लोगों की टीबी के लिए जांच की गई, और 4,316 लोगों की सिकल सेल के लिए जांच की गई - जो नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करने की दिशा में एक अनुकरणीय प्रयास है। सामाजिक हितों के प्रति प्रतिबद्धता विभिन्न पहलों के माध्यम से स्पष्ट थी, जिसमें 'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने जबरदस्त समर्पण दिखाया और सुरक्षा बीमा और जीवन ज्योति में उल्लेखनीय योगदान दिया, जो नागरिकों की भलाई की रक्षा के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण प्रदर्शित करता है। यात्रा ने ड्रोन प्रदर्शन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदर्शन और प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के साथ बातचीत सहित महत्वपूर्ण प्रदर्शनों के केंद्र के रूप में कार्य किया। ये पहल तकनीकी प्रगति और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति यात्रा के समर्पण को रेखांकित करती हैं।

मंत्री मांडविया ने प्रधान मंत्री मोदी, पटियाला की सांसद परनीत कौर, भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ और अन्य प्रमुख हस्तियों सहित विभिन्न नेताओं के सहयोगात्मक प्रयासों को स्वीकार करते हुए पंजाब में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के सकारात्मक प्रभाव के लिए आभार व्यक्त किया। पटियाला से सांसद परनीत कौर ने केंद्र सरकार की कल्याणकारी पहल की सराहना की और आयुष्मान भारत योजना को सभी के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बताया। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के माध्यम से कल्याणकारी योजनाओं की डोरस्टेप डिलीवरी के लिए आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में नागरिकों पर सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' देश भर में सकारात्मक बदलाव, डिजिटलीकरण को अपनाने, खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस मॉडल को प्राप्त करने और "मेरी कहानी मेरी जुबानी" पहल के माध्यम से सफलता की कहानियों को बढ़ाने के लिए उत्प्रेरक बनी हुई है।

रक्षा मंत्रालय के पुनर्वास महानिदेशालय ने पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . पुनर्वास महानिदेशालय, पूर्व सैनिक कल्याण विभाग, रक्षा मंत्रालय द्वारा पुन: रोजगार के इच्छुक पूर्व सैनिकों और रोजगार प्रदाताओं को एक ही मंच पर एक साथ लाने के लिए आज यहां 3 बीआरडी, एयर फोर्स स्टेशन, चंडीगढ़ में एक रोजगार सेमिनार व रोज़गार मेले का आयोजन किया गया। इस समारोह में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के पूर्व सैनिकों का जबरदस्त रुझान देखने को मिला। जॉब फेयर में 22 कंपनियों ने भाग लिया और कुल 800 रिक्तियों की पेशकश की। सेना, वायु सेना और नौसेना के लगभग 970 पूर्व सैनिकों ने रोजगार के लिए पंजीकरण कराया। आगामी महीनों में समस्त भारत में ऐसे ही छह और रोजगार मेले लगाए जाएंगे। साक्षात्कार/स्क्रीनिंग किए गए पूर्व सैनिकों को वरिष्ठ पर्यवेक्षकों, मध्य/वरिष्ठ स्तर के प्रबंधकों से लेकर रणनीतिक योजनाकारों और परियोजना निदेशकों तक के पदों के लिए नियुक्त किया जाएगा।

यह आयोजन कॉर्पोरेट और वेटर्न्स दोनों के लिए फायदेमंद रहा, जहां वेटर्न्स को अपने सेवाकाल के दौरान अर्जित अपनी तकनीकी और प्रशासनिक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच मिला और अनुभवी, अनुशासित और प्रशिक्षित पूर्व सैनिकों के समूह की स्क्रीनिंग से कॉर्पोरेट्स को लाभ हुआ। जॉब फेयर के दौरान विभिन्न कंपनियों द्वारा उद्यमिता मॉडल भी प्रस्तुत किये गये।

जॉब फेयर का उद्घाटन एयर मार्शल पी के घोष, महानिदेशक (एडमिन), वायुसेना मुख्यालय द्वारा किया गया, जो इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। ब्रिगेडियर वी के झा, अपरमहानिदेशक, पुनर्वास (पश्चिम जोन) और एयर कमोडोर राजीव श्रीवास्तव, एओसी, 3 बीआरडी एयरफोर्स स्टेशन, चंडीगढ़ भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा सरकारी दफ्तरों का औचक दौरा जारी

होशियारपुर में तहसील कॉम्पलैक्स का लिया जायज़ा, लोगों को दी जा रही सेवाओं के बारे में जाना

लोगों की शिकायतों के निपटारे के लिए तहसील कॉम्पलैक्स में अपना कैंप दफ्तर स्थापित करने के लिए डीसी और एसएसपी को निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सरकारी दफ्तरों की औचक जांच की कार्यवाही को जारी रखते हुए गुरूवार को स्थानीय तहसील कॉम्पलैक्स में लोगों को नागरिक केंद्रित सेवाएं निर्विघ्न मुहैया करवाने के लिए चैकिंग की। मुख्यमंत्री ने शाम को तहसील कॉम्पलैक्स का मुआइना किया और कॉम्पलैक्स में स्थित अलग-अलग दफ्तरों की चैकिंग करने के अलावा लोगों के साथ बातचीत भी की।

उन्होंने लोगों को दरपेश समस्याओं के बारे में कहा कि अगर उनको कोई मुश्किल पेश आ रही है तो बिना किसी देरी के तुरंत हल करने को सुनिश्चित बनाया जाये। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब के सर्वांगीण विकास और यहाँ के लोगों की खुशहाली के लिए वचनबद्ध है। स्थिति का जायज़ा लेने के लिए मुख्यमंत्री के ख़ुद लोगों में आने के कारण लोगों ने उनका खुलकर स्वागत किया। अपनी सुरक्षा की परवाह किये बिना भगवंत सिंह मान ने भी लोगों के साथ जोश के साथ मुलाकात की और उनका हाल-चाल पूछा। तहसील कॉम्पलैक्स में मौजूद लोगों ने उनकी तारीफ़ करते हुए कहा कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और ज़ाहिर है कि राज्य में महाराजा रणजीत सिंह के राज जैसा अच्छा समय वापस आ गया है।

निरीक्षण के दौरान उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री के साथ सैल्फी भी ली और लोक कल्याण के लिए किये जा रहे शानदार कार्यों के लिए उनका धन्यवाद किया। इस दौरान भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार समाज के हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए वचनबद्ध है। इस दौरान दफ्तरों में स्टाफ के साथ बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने उनको मिशनरी भावना के साथ लोगों की सेवा करने का आह्वान किया। भगवंत सिंह मान ने उनको समाज के जरूरतमंद और पिछड़े वर्गों की मदद के लिए अपनी कलम का प्रयोग करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि परमात्मा ने उनको शक्ति दी है और वह जनता की अधिक से अधिक भलाई सुनिश्चित बनाएं, जिससे समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिल सके, उन्होंने डीसी और एसएसपी को कहा कि वह लोगों के मसले हल करने के लिए तहसील कॉम्पलैक्स में अपने कैंप दफ्तर स्थापित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लोगों को 43 सेवाओं घर-घर मुहैया करवाने के लिए 'भगवंत मान सरकार, तुहाड़े द्वार' योजना शुरू की है। टोल फ्री नंबर 1076 तय समय के अंदर लोगों को सरकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए एक प्रेरक के तौर पर काम करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने हमेशा ही हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व किया है और इस बात से कोई भी अंजान नहीं कि देश के लिए अपनी जानें कुर्बान करने वाले 90 फीसदी से अधिक महान देश भक्त पंजाबी थे।

बादल इस माफी के द्वारा भाजपा से गठजोड़ चाहते हैं : प्रताप बाजवा

कहा- सुखबीर बादल को सिख संगत की कोई परवाह नहीं

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल द्वारा 2015 की बेअदबी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने में विफल रहने के लिए मांगी गई माफी को खारिज करते हुए पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को कहा कि बादल का यह कदम और कुछ नहीं बल्कि खोई हुई जमीन को वापस पाने का एक व्यर्थ प्रयास है। बाजवा ने कहा कि सुखबीर सिंह बादल इस माफ़ी के ज़रिए भाजपा के साथ गठजोड़ करना चाहते है। उन्हें सिख संगत की कोई परवाह नहीं है। बादल परिवार के असली लक्षण पहले ही सामने आ चुके हैं। पंजाब के लोग अब उनकी माफी स्वीकार नहीं करेंगे। बेअदबी के मामलों के बाद शिअद लगभग 16 महीने तक सत्ता में रही, फिर भी वह जानबूझकर कोई कार्रवाई करने में विफल रही। अब वह (सुखबीर सिंह बादल) नौ साल बेकार रहने के बाद माफी मांग रहे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि इस मौके पर सुखबीर सिंह बादल को सिख संगत को यह भी बताना चाहिए था कि कोटकपूरा के बहबल कलां गांव में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे सिखों पर पुलिस को गोली चलाने का आदेश किसने दिया। इस घटना में दो सिख युवकों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा, 'बादल सरकार ने अज्ञात पुलिस के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी. पुलिस की पहचान कैसे नहीं हो सकती? सुखबीर सिंह बादल को यह भी बताना चाहिए था। विपक्षी नेता ने कहा कि डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम और उनके अनुयायियों को खुश करने के लिए शिअद (बी) ने बेअदबी के मामलों की सही तरीके से जांच नहीं कराई। बदले में डेरा सच्चा सौदा ने 2017 के चुनावों में शिअद (बी) का खुलकर समर्थन किया था. क्या सुखबीर सिंह बादल इस बारे में भी बोल सकते हैं?

बाजवा ने कहा कि सुखबीर सिंह बादल सिख संगत से माफी मांगने का नाटक कर रहे हैं क्योंकि भाजपा ने उनसे ऐसा करने के लिए कहा था अगर वह एक बार भाजपा के साथ गठबंधन करना चाहते हैं। सुखबीर सिंह बादल बीजेपी के साथ गठबंधन करने के लिए बेताब हैं। बादल ने सिर्फ इस लिए माफ़ी मांगी क्योंकि वह भाजपा के साथ गठजोड़ करना चाहते है।

'इतने चालाकी से माफी मांगने के बजाय सुखबीर सिंह बादल को पंजाब के लोगों को वास्तविकता बतानी चाहिए और फिर माफी मांगनी चाहिए। इसके बाद ही सिख संगत उन्हें माफ करने पर विचार कर सकती है।

जिला प्रशासन 8 हेल्थ एंड वेलनैस सेंटरों को करेगा अपग्रेड

डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों को जल्द से जल्द औपचारिक कारवाई पूरी करने को कहा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जिले में प्राईमरी स्वास्थ्य संभाल सेवाओं और बुनियादी ढांचे को और बढिया करने के उद्देश्य से, जिला प्रशासन ने गुरुवार को आठ स्वास्थ्य और वैलनेस सेंटरों को अपग्रेड करने का निर्णय लिया। जिला प्रशासकीय परिसर में एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल, जो जिला स्वास्थ्य सोसायटी के अध्यक्ष भी है, ने कहा कि सरकार ने इन केंद्रों के नवीनीकरण और आधुनिकरण के लिए फंड जारी कर दिए है। उन्होंने कहा कि केंद्र कम्युनिटी स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा चलाए जा रहे है और कैंसर, शुगर, हृदय रोगों और अन्य सहित विभिन्न गैर-संचारी रोगों के इलाज संबंधी सेवाएं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र गर्भावस्था,प्रसव में देखभाल, नवजात और शिशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, परिवार नियोजन, गर्भनिरोधक सेवाएं, ओपीडी सेवाएं आदि जैसी सुविधाएं भी प्रदान कर रहे है। श्री सारंगल ने कहा कि नर्सिंग अधिकारियों (स्टाफ नर्सों) को स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयार प्रोग्राम अधीन ट्रेनिंग दी गई है और इंदिरा गांधी नैशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) से कम्युनिटी स्वास्थ्य अधिकारियों को छह महीने की ट्रेनिंग दी गई है।

डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों से चल रहे कार्यों में तेजी लाने और लोगों की सुविधा के लिए समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर एडीसी (ज) मेजर डा. अमित महाजन, एसडीएम जय इंद्र सिंह, सिविल सर्जन डा. रमन शर्मा और अन्य उपस्थित थे।

गुरु रविदास जी की शिक्षाओं पर चलते हुए कमजोर वर्ग की मुश्किलें दूर करने को सरकार वचनबद्ध : ब्रम शंकर जिंपा

कैबिनेट मंत्री ने संत सम्मेलन प्रबंधक कमेटी रहीमपुर की ओर से करवाए गए संत सम्मेलन में संत निरंजन दास जी व अन्य संतों से लिया आशीर्वाद

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

कैबिनेट मंत्री पंजाब ब्रम शंकर जिंपा ने आज रहीमपुर में डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख संत निरंजन दास जी की गरिमामयी उपस्थिति में करवाए गए संत सम्मेलन में संत निरंजन दास जी व अन्य संत महापुरुशों से आशीर्वाद लिया। संत सम्मेलन प्रबंधक कमेटी रहीमपुर की ओर से आयोजित इस संत सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे संत सम्मेलन लगातार होने चाहिए जो कि समाज का नेतृत्व करते हैं और उनका सामाजिक व धार्मिक विकास करते हैं। उन्होंने इस दौरान श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं पर चलते हुए समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों की मुश्किलें दूर करने के लिए समर्पित भावना के साथ काम करने का प्रण लिया। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के कल्याण को यकीनी बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी ने ऐसे आदर्श समाज का प्रस्ताव दिया जहां किसी को भी किसी किस्म का दुख नहीं बर्दाश्त करना पड़ता। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी का जीवन और महान शिक्षाएं मानवता को समान समाज की सृजना के प्रति दिशा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी महान आध्यात्मिक दूत और समाज के गरीब और बेसहारा वर्गों के मसीहा थे, जिन्होंने हमें नेक और उत्तम जीवन जीने का उपदेश दिया।

ब्रम शंकर जिंपा ने डेरा बल्ला की ओर से लोगों के कल्याण में निभाई जा रही भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाओं और दर्शन के साथ लोगों को जोडऩे साथ-साथ डेरे ने समाज के जरूरतमंद और पिछड़े वर्गों को मानक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में हमेशा अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने डेरे की तरफ से लोगों की भलाई के लिए की जा रही निष्काम सेवाओं की भी सराहना की। इस दौरान उनके साथ विधायक राज कुमार, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री विजय सांपला, मेयर सुरिंदर कुमार, सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीन सैनी, डिप्टी मेयर रंजीता चौधरी, नगर निगम फाइनांस कमेटी के चेयरमैन बलविंदर बिंदी व चंदन लक्की के अलावा अन्य गणमान्य भी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने हिमाचल को फिर दिये 633.75 करोड़ : अनुराग ठाकुर

हिमाचल के पुनरुत्थान हेतु केंद्र ने फिर दिए 633.75 करोड़ रुपए, हिमाचल को दूसरा घर मानने वाले पीएम मोदी का आभार

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/ हिमाचल प्रदेश

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आज हिमाचल प्रदेश में पिछले दिनों आए आपदा से लोगों को राहत एवम पुनर्वास हेतु 633.75 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि प्रदान की है। ये पैसे नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फंड से दिए जायेंगे जिसकी जानकारी गृह मंत्रालय ने दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने केंद्र सरकार के इस मदद को हिमाचल के लिए बेहद जरूरी और लाभदायक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं गृह मंत्री अमित शाह जी का आभार जताया। ठाकुर ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सदैव हिमाचल प्रदेश को अपना दूसरा घर माना है और हमेशा हिमाचल के सुख दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। एक बार फिर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आज हिमाचल प्रदेश में पिछले दिनों आए आपदा से लोगों को राहत एवम पुनर्वास हेतु नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फंड के अन्तर्गत 633.75 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि प्रदान की है। यह राशि आपदा हिमाचल में पुनर्वास व राहत कार्यों में बहुउपयोगी साबित होगी। इस बड़ी मदद के लिए मैं आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी व गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का आभार प्रकट करता हूँ"

आगे बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा "विगत दिनों हिमाचल प्रदेश ने भीषण प्राकृतिक आपदा की मार झेली है मगर केंद्र सरकार ने हिमाचल में कभी भी किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी। प्रदेश की जनता के लिए राहत, पुनर्वास, और हिमाचल को फिर से विकास की पटरी पर दौड़ाने के लिए मोदी सरकार ने हर आवश्यक कदम उठाये। आपदा के दौरान एनडीआरएफ की 13 टीमों को बचाव नौकाओं और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात किया गया। नागरिकों की निकासी के लिए पोंटा साहिब में सेना के 1 पैरा एसएफ और 205 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन की 01 कॉलम भी तैनात की गई थी। इसके साथ हीं बचाव कार्यों के लिए भारतीय वायु सेना के 02 एमआई-17 वी हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए थे जिससे समय रहते हजारों जानें बचाई जा सकीं। नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के माध्यम से भी मदद दी गई। जहां तक पैसों की बात है तो केंद्र सरकार ने फौरी तौर तक 862 करोड़ मुहैया कराए। मैं स्वयं कई दिनों तक हिमाचल में रहा और पूरे क्षेत्र का सघन दौरा कर राहत व बचाव कार्यों को आखिरी पीड़ित तक सुनिश्चित कराया। पटवारियों से टाइम बाउंड रिपोर्ट मंगवा कर डीसी को तुरंत पैसे रिलीज करने का निर्देश दिया। किसी के भी घर को खतरा पैदा हो रहा था तो हमने वहां सुरक्षा दीवार लगाने के लिए पैसे दिए और लगातार दिशा कमेटी की बैठक भी की ताकि राहत और बचाव कार्य में कोई कमी ना रह सके।"

अनुराग ठाकुर ने कहा "आपदा के बाद से अभी तक हिमाचल प्रदेश में राहत कार्य, विकास एवं पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार के द्वारा लगभग 1000 करोड़ रुपए की राहत राशि जारी की जा चुकी है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत प्रदेश को लगभग 2,700 करोड़ रुपये दिए गए थे जिस से हिमाचल को अत्यंत लाभ मिला।"

स्वीप प्रोग्राम के तहत जागरूकता वैन रवाना

मतदाताओं को ईवीएम मशीनों के प्रयोग के बारे में जागरूक किया जाएगा

कपूरथला और भुलत्थ क्षेत्रों के बाद सुल्तानपुर लोधी और फगवाड़ा में मतदाताओं को अहम जानकारी दी जाएगी

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं को ईवीएम उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी देने के उद्देश्य से स्वीप गतिविधियों के तहत आज यहां से मतदाता जागरूकता वैन को रवाना किया गया, जो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर मतदाताओं को जानकारी प्रदान करेगी। डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी कैप्टन करनैल सिंह ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर चुनाव आयोग की स्वीप गतिविधियों के तहत यह जागरूकता वैन लोगों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के माध्यम से मतदान के बारे में जानकारी देगी।

उन्होंने कहा कि यह वैन जिले के विभिन्न क्षेत्रों विशेषकर स्कूलों, कॉलेजों, विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों एवं संस्थानों में जाकर मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चुनाव क्षेत्र से एसडीएम कार्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर वैन के साथ उपस्थित रहेंगे तथा मतदाताओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध करायेंगे। जागरूकता वैन को रवाना करते एस.डी.एम. लाल विश्वास बैंस ने कहा कि जागरूकता वैन का उद्देश्य मतदाताओं, खासकर 18-19 वर्ष के नये मतदाताओं को ईवीएम के प्रयोग के बारे में जागरूक करना है।

उन्होंने कहा कि वैन के साथ मौजूद अधिकारी भी मौके पर मतदाताओं को आवश्यक जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि पहले दिन जागरूकता वैन हलका कपूरथला और भुलत्थ में स्कूलों/कॉलेजों और विशेष स्थानों पर लोगों को जागरूक करेगी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के नाम दर्ज हुआ महारिकॉर्ड

टेस्ट पारी में एक दिन में 400 से ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी टीम बनी

मुंबई. गुरुवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत बनाम इंग्लैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं इस मैच के दौरान भारतीय महिला टीम टेस्ट पारी में एक दिन में 400 से ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी टीम बन गई है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने सात विकेट के नुकसान पर 410 रन बनाए और दीप्ति शर्मा और पुजा वस्त्राकर नाबाद लौटी हैं।

बता दें कि 2014 के बाद घर पर अपने पहले टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए भारत ने टॉप और मध्यक्रम के समान योगदान के साथ रनों का ढेर लगाया। डेब्यूटेंट शुभा सतीश 69 और जेमिमा रोड्रिग्स 68 रन बनाए जबकि तीसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी हुई। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपना सर्वोच्च टेस्ट स्कोर दर्ज किया, लेकिन अजीब तरह से रन आउट होने के कारण वह अपने अर्धशतक से चूक गईं। उनके बाद छठे नंबर पर विकेटकीपर यास्तिका भाटिया ने भी 88 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाकर अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। निचले क्रम की बल्लेबाजों दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने सातवें विकेट के लिए पचास से ज्यादा की साझेदारी करके भारत को 400 रन के पार पहुंचाया।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 88 सालों में महिला टेस्ट में एक ही दिन में किसी टीम द्वारा 400 से ज्यादा रन बनाने का पहला उदाहरण था। इंग्लैंड की महिला टीम ने 1935 में लैंकेस्टर पार्क, क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो विकेट 431 रन बनाकर सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया था।

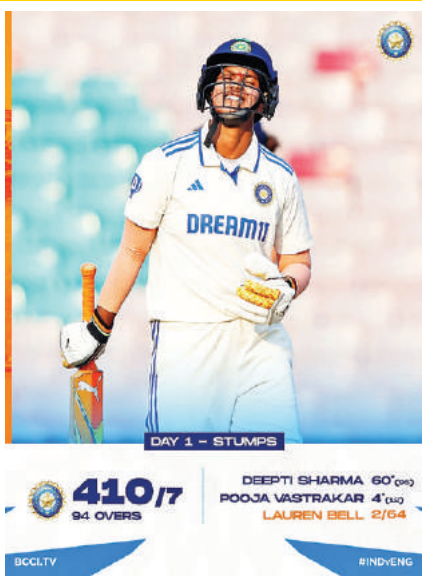

लुटेरे, कातिलों व नशा तस्करी के आंतक को लेकर पंजाब सरकार के खिलाफ पुतला फूक प्रदर्शन करेगी भाजपा

राजनीतिक सरक्षण के चलते पूरे इलाके मे अपराधियों के हौसले बुलंद : अशोक सरीन हिक्की

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

वेस्ट विधानसभा इलाक़े मे 18 साल की लड़की को जलाकर मार देने व हर रोज इलाक़े मे हर रोज हो रही लूटपाट, हत्याए व नशा तस्करी के चलते पंजाब सरकार व आम आदमी पार्टी के नेताओ की कारगुजारी के खिलाफ भाजपा शुक्रवार को दोपहर 4 बजे माता रानी चौंक, मॉडल हाउस मे पुतला फूक प्रदर्शन करने का फैसला वेस्ट विधानसभा से सभी जिला पदाधिकारियों एवं मण्डल प्रधानो ने विधानसभा प्रभारी से बस्ती गुजा में बैठक करके लिया।इस बैठक मे जिला भाजपा प्रधान सुशील शर्मा से विचार विमर्श कर भार्गव कैंप से राकेश राना को मंडल 12 का कार्यकारनी प्रधान नियुक्त किया गया।इस विषय पर जानकारी देते जिला भाजपा महामंत्री अशोक सरीन हिक्की ने बताया कि पूरे इलाके मे कानून व्यवस्था चरमरा चुकी है।क्यूकी हर रोज इलाके मे कत्लेआम,महिलाओं पर अत्याचार, दुकानदारो व प्रवासियों से लूटपाट की घटनाये होने के साथ-साथ इलाके के हर गली-मोहल्ले मे नशा तस्करी सरेआम हो रही है। आज भी बस्तीया क्षेत्र के कड़ी वाला चौंक, दशमेश नगर, कोट सदीक़ कांशी नगर कृष्ण चक्की के करीब लूटपाट की घटनाये हुई है। सरीन ने कहा राजनीतिक सरक्षण के चलते पूरे इलाके मे अपराधियों के हौसले बुलंद जनता सहमी और पुलिस बेबस हो चुकी है।इसीलिए इलाके मे आपराधिक घटनाये बढ़ती जा रही है जिसको रोकने मे सरकार फेल हो गयी है।

इन घटनाओं को लेकर जिला भाजपा उपप्रधान दविंदर भारद्वाज, अनिल मिनिया, सचिव अश्वनी अटवाल, योगेश मल्होत्रा, वरुण तनेज़ा, मंडल भाजपा प्रधान कुनाल शर्मा, मनीष बल, गौरव जोशी, राकेश राना समेत सभी भाजपा नेताओ ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इलाके मे लोग काम पर आने जाने से डरने लगे है। पुलिस प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.